माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2018

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
पशुपालन	4 3 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1906697

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

0	2	8	4	5	3	3	1	7	0

शब्दों में

0	दो	आठ	चार	पांच	तीन	तीन	एक	सात	शून्य

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग :– परीक्षा का दिनांक 22 03 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा

परीक्षा केन्द्र क्रं. 452068

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
[signature] पुष्पा मधुरिया	Sharma

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
[signature] S. Choubey 74803	[signature] SA HE

[signature] K.Nagshwar V.No.74824

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

i) उत्तर ब्रेक्टीरिया ।

ii) उत्तर बीकानेरी ।

iii) उत्तर 0.5 %.

iv) उत्तर 26 %.

उत्तर मुर्गी ।

प्रश्न क्रमांक - 2

i) उत्तर → थर्मेला

ii) उत्तर → 145 से 153 दिनो

iii) उत्तर → स्वेन ।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

iv) उत्तर - एवीपॉक्स वायरस।

v) उत्तर - 2006 वर्ष

प्रश्न क्रमांक - 3

i) उत्तर - सत्य।

ii) उत्तर - असत्य।

iii) उत्तर → सत्य।

iv) उत्तर → सत्य।

v) उत्तर → सत्य।

प्रश्न क्रमांक - 4

i) उत्तर → पाश्चुरेल्ला बोविसेप्टिका।

ii) उत्तर → करनाल।

iii) उत्तर → 1965

iv) उत्तर → 1970.

v) उत्तर → मुर्गीगृह।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5 (अथवा)

उत्तर मछली के परिपूरक आहार के दो प्रकार निम्न - लिखित है →

1) वनस्पतिक मूल के आहार → अनाज का चूरा, गेहूँ का भूसा

जन्तु मूल के आहार → मछली का चूरा, हड्डी का चूरा

B
S
E

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 6

अरो की नमकीन मांस वाली दो नस्लो के नाम निम्न लिखित है →

) लैंडरेश
) टेमवार्थ

प्रश्न क्रमांक - 7 (अथवा)

उत्तर पश्मीना कश्मीरी बकरी से प्राप्त होने वाले बाल है। कश्मीरी बकरी के शरीर पर दो प्रकार के बाल पाए जाते है पहले 10 -12 सेमी लम्बे औसत किस्म के बाल होते है। इन बालो के नीचे छोटे - छोटे सीए रोऐ की एक सतह

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

होती है। जिसे पश्मीना कहते है। पश्मीना अत्यन्त कोमल, ~~मम~~ मुलायम गर्म ~~ऊन~~ बाल होते है

पश्मीना बकरी की विशेषताएँ →

कश्मीरी बकरी के शरीर पर 4.5 का इंच लम्बे रेशमी बाल होते है।
कश्मीरी बकरी से औसतन 90-120 ग्राम पश्मीना प्रति वर्ष प्राप्त होता है।
कश्मीरी बकरी का मूल स्थान कश्मीर के पहाडी क्षेत्र व तिब्बत है।

प्रश्न क्रमांक - 8 (~~अथवा~~)

~~उत्तर~~ ~~क्रीम~~ -

उत्तर मक्खन बनाने मे प्रयोग की गई वसा तथा उससे तैयार मक्खन की मात्रा मे जो अन्तर आता है
उसे मक्खन का ओवर रन कहते है।

प्रश्न क्रमांक - 9 (अथवा)

उत्तर ~~कैल्शियम के~~

पशु शरीर मे विटामिन्स के कार्य →

① अनेक प्रकार के रोगो से रक्षा करते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) पशु की उत्पादन क्षमता मे वृद्धि करते है।

(3) पशु की प्रजनन क्षमता मे वृद्धि के लिए आवश्यक है।

भ्रूण विकास मे विटामिन्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

प्रश्न क्रमांक -10

उत्तर साइलेज के लाभ निम्नलिखित है →

1) साइलेज चारा संरक्षण व भण्डारण का उत्तम तरीका है। जिससे वर्ष भर हरा चारा उपलब्ध रखा जा सकता है।

2) साइलेज मे हे की तरह खराब होने व आग पकडने का डर नही होता है। अतः कम स्थान मे काफी समय तक संरक्षित रखा जा सकता है।

3) साइलेज मे हरे चारे के सभी गुण (रसीलापन, हरापन) विद्यमान होते है किसी प्रकार की सडन या दुर्गन्धि नही होती है।

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ध) साइलेज बनाकर फसलो के सभी पोष्टिक तत्वो को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। क्योंकि भूसा व कडवी बनाने मे अधिकांश पोष्टिक तत्व नष्ट हो जाते है।

प्रश्न क्रमांक - 8 ॥

मदतुमयी गाय के लक्षण →

① बैचेन होना, जोर - जोर से रंभाना।

~~② दूसरी गाय। पशु पर चढने की प्रवृत्ति तीव्र होना।~~

7

② गाय मे पेशाब करने की प्रवृत्ति तीव्र होना।

③ दूसरे पशुओ पर चढना।

भगोष्ठ पर सूजन।

भग से पानी जैसा श्वेत प्रदार्थ निकलना

खूँटे के चारो - ओर चक्कर लगाना।

~~बार - बार पैर जमीन पर पटकना।~~

प्रश्न क्रमांक - 12 (अथवा)

गर्भवती गाय के लक्षण →

मोटापा बढना।

शरीर पर वसा का जमाव।

सख्त थन दिखना।

स्तन के आकार मे वृद्धि।

SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 13 (अथवा)

i) बर्डिजोकास्ट्रेटर → इसका उपयोग नर पशुओ को बधिया करने मे किया जाता है।

ii) थन साइफन → इसका उपयोग थनैला रोग मे थन से दूध निकालने कर व थन मे दवा भरने मे किया जाता है।

iii) प्रोब → इसका उपयोग पशुओ के घाव की गहराई नापने तथा उसमे दवा भरने व लगाने मे किया जाता है।

iv) ट्रोकार - केन्यूला → इसका उपयोग पशु के गैस के कारण पेट फूलने पर, इसका उपयोग पेट से गैस निकालने मे किया जाता है। इसकी सहायता से पेट मे छेद कर हवा निकाली जाती है।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 14

उत्तर बीमार पशु के लक्षण →

① पशु सुस्त हो जाता है। जुगाली करना बन्द कर देता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) खाना जम कर देता है।

(3) रोगी व पशु के मुँह से बदबूदार साँस निकलती है।
कार्य करने वाले पशु बोझा ढोने जैसे कार्यों में आनाकानी दिखाते हैं।
चलते समय पैर लड़खड़ाने लगते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 15

जामन दुग्ध उत्पाद का वह जीवाणु संवर्धन है जो दूध या क्रीम में वांछित अम्लता पैदा करने के लिए मिलाया जाता है।

जामन की विशेषताएँ →

जामन का पी. एच मान 4.1 से 4.3 के बीच होना चाहिए।
जामन प्रबल व शीघ्र अम्ल पैदा करने वाला होना चाहिए।
जामन में 0.8 से 0.9 % अम्लीयता होनी चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 16

उत्तर आइसक्रीम व कुल्फी में अन्तर निम्नलिखित है -

1] आइसक्रीम के मिश्रण में हवा भरकर ओवर रन

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

बढाया जा सकता है जबकी कुल्फी मे हवा नही भरी जाती है।

२) आइसक्रीम का संगठन निश्चित होता है जबकि कुल्फी का संगठन अनिश्चित होता है।

३) आइसक्रीम के मिश्रण से कुल्फी बनायी जा सकती है जबकी कुल्फी के मिश्रण से आइसक्रीम नही तैयार की जा सकती है।

४) कुल्फी मिश्रण मे फलो का आटा मिलाया जाता है जबकि आइसक्रीम मे यह आटा नही मिलाया जाता है।

५) कुल्फी मुख्यत: शंकु मे जमाया जाता है जबकि आइसक्रीम के लिए इसकी आवश्यकता नही होती है।

प्रश्न क्रमांक -17

उत्तर संघनित दूध के उपयोग निम्नलिखित है →

① शिशु आहार के रूप मे प्रयोग करना

२) सप्रेटा से तैयार संघनित दूध कैंडी व

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

आइसक्रीम बनाने मे काम आता है।

3) खीर बनाने मे

4) इसका प्रयोग बेकरी व मिठाई बनाने मे होता है चाय व कॉफी बनाने मे काम आता है।

प्रश्न क्रमांक - 19 (अथवा)

विटामिनो के कार्य

1) विटामिन A → ① शरीर के विकास के लिए मे सहायक
② नेत्र की तंत्रिका कोशिका के विभिन्न कार्यों के सम्पादन मे

2) विटामिन B → ① इस वर्ग मे आने वाले सभी विटामिन भूख बढाने, तंत्रिका के विभिन्न कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक होते है।

3) विटामिन C → ① मुर्गियो मे चर्म रोग से बचाव व प्रतिरोधक शक्ति मे वृद्धि करते है।

4) विटामिन D → ① अण्डो के कवच व हड्डियो के विकास मे सहायक।
2) कैल्शियम व फॉस्फोरस के अवशोषण व उपयोग मे सहायक।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

विटामिन E → (1) जनन अंगो की क्रिया शीलता मे वृद्धि करता है।

प्रश्न क्रमांक - २०

उत्तर मुर्गियो मे बीमारी की रोकथाम के पॉच उपाय निम्न लिखित है →

B S E

1) मुर्गीपालन हेतु चूजो का क्रय स्तरीय फार्मो से करना चाहिए। चूजो का प्रतिदिन अवलोकन करना चाहिए। रोगग्रस्त चूजो या पक्षियों को समूह से अलग कर देना चाहिए।

२) मुर्गियो का नियमित टिकाकरण करना चाहिए।

3) दडबे मे कॉकरोच, पिस्सु, जूं, माइट्स आदि का नियन्त्रण प्रभावी ढंग से करना चाहिए है।

4) मृत व रोगी मुर्गियो की लाश का समुचित निपटारा करना चाहिए। रोगग्रस्त मुर्गियो की लाश को जला देना चाहिए। या जमीन मे गहराई से गाढ देना चाहिए

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

5) चूने या फिनाइल से मुर्गीघर की सफाई कर देनी चाहिए।
मुर्गीघर हमेशा सूखा रहना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 14

मुर्गीपालन से संबंधित पाँच सहकारी संस्थाओ के नाम →

(1) ऑल इण्डिया पोल्ट्री फार्मर्स एसोसिएशन।
(2) रीजनल कॉपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन।
(3) ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ पोल्ट्री ~~इंडि इण्स्ट्री~~ इण्डस्ट्री।
नेशनल एग कॉपरेटिव फोर एग।
स्टैण्डिंग कमेटी ऑन पोल्ट्री डेवलपमेन्ट।

6)

प्रश्न क्रमांक - 11

मदमाती गाय के लक्षण →

(1) बेचैन होना, जोर-जोर से रँभाना।
(2) गाय मे पेशाब करने की प्रवृत्ति तीव्र होना जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) दूसरे पशुओ पर चढ़ना।
4) भगोष्ठ पर सूजन आना।
5) भग से पानी जैसा श्वेत पदार्थ निकलना
6) खूँटे के चारो ओर चक्कर लगाना।
7) पैर से जमीन खुरेचना।

B
S
E